

19.1.21

पत्रावली केरु इष्टी प्राप्तिगिन व 3-1 के अक्षिस्वरा
की बाट- बाट आवदी लगवाई गयी मगर ये क्रम
में शास्त्रि 2-3 के क्रम प्राप्तिगिन का प्राप्तिगिन
पत्रा क्रम शास्त्री व क्रम केरु के खास्त्रि
द्विज जाता है पत्रावली केरुल प्रहाल है
मंडल के क्रम डोकल शास्त्रि व फल है


अपर कलक्टर, नागौर